RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –II GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES
Unit-III - **GEOGRAPHY**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. उत्थित (Uplifted plateu) पठार किसे कहते हैं ?

उत्तरः—उत्थित पठार का निर्माण भूमि के उत्थान की प्रक्रिया द्वारा होता है, उदाहरणार्थ - पाट पठार ।

2. वृहद हिमालय में पाये जाने वाले हिमदनों के नाम लिखिए ?

उत्तरः—गंगोत्री, यमनोत्री, मिलान, पिण्डार, जेमू, सीसपानी, इत्यादि हिमनद वृहद हिमालय में अवस्थित हैं।

3. भांबर प्रदेश किसे कहते हैं ?

उत्तरः- मध्यवर्ती मैदान के उत्तर में स्थित कंकड़ पत्थर युक्त प्रदेश जिसकी उत्पत्ति हिमालय से उतरने वाली नदियों द्वारा निक्षेपण से हुई है, भांबर कहलाता है। यहाँ नदियों का जल सतह के नीचे कंकड़ - पत्थर में विलीन हो जाता हैं।

4. 9^{o} चैनल क्या हैं ?

उत्तरः- लक्षद्वीप समूह में उत्तर में स्थित अमीनीद्वीप व दक्षिण के मिनिकॉय द्वीप समूह को पृथक करने वाली 9^{o} चैनल हैं ।

5. मरकैली पैमाना व रिक्टर पैमाना में विभेद कीजिए ।

उत्तरः-

मरकैली पैमाना	रिक्टर पैमाना
• विनाशकारी प्रभाव के आधार पर भूकम्प का मापन। • 1 से 12 अंक • अवैज्ञानिक पैमाना	• भूकम्पीय तरंगो की तीव्रता के आधार पर भूकम्प का मापन • 0 से 10 अंक • वैज्ञानिक पैमाना

6. हिन्द महासागर का भारत के लिए क्या महत्व हैं ?

उत्तर :- हिन्द महासागर में भारत की तटरेखा लगभग 7500किमी. है, हिन्द महासागर से भारत के भू राजनैतिक, सामरिक, आर्थिक व व्यापारिक हितों की पूर्ति होती है। भारत का लगभग हिन्द महासागर एशिया, युरोप व दक्षिण अफ्रीका तीनों महाद्विपों को जोड़ता है, इस कारण सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत का लगभग 78% व्यापार हिन्द महासागर व इसकी शाखाओं के माध्यम से होता है। भारत के कुल मत्स्य उत्पादन का 60% हिन्द महासागर के अनन्य आर्थिक क्षेत्र से प्राप्त होता है व वर्तमान में यहाँ बहुधात्विक पिण्डों के खनन की संभावना भी बन रही है। यहाँ चीन की उपस्थिति ने इसे भारत के लिए अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

7. भारत में स्थित प्रायद्वीपीय पठारी (Peninsular Plateu) भाग का वर्णन कीजिए ?

उत्तरः- प्रायद्वीपीय पठार गोंडवाना लैण्ड के विखण्डन से निर्मित त्रिभुजाकार प्राचीन क्षेत्र है। यहाँ प्राचीन पर्वतमालाओं (अरावली, विध्यन) के अवशेष अवस्थित है। इस क्षेत्र में मुख्यतः आर्कियन व प्रीकेम्ब्रियन शैल संरचनाओं की प्रधानता पायी जाती है व क्रिटेशियस काल के लावा पठार एवं गारो, खाँसी, जयंतियाँ की पहाड़ियाँ भी इसी का भाग मानी जाती है। यह भाग खनिज संपदा की दृष्टि से सम्पन्न है। छोटा नागपुर का पठार, गिरी डिह पठार, दण्डाकरणय पठार, मालवा पठार इत्यादि प्रायद्वीपीय पठारी भाग में सम्मिलित है जिनका कुल क्षेत्रफल 16 लाख वर्ग मी. है।

8. उत्तरी पर्वतीय प्रदेश को भौतिक आधार पर विभाजित करते हुए प्रत्येक की विशेषताएँ बताइये ?

उत्तरः- उत्तरी पर्वतीय प्रदेश लगभग 5 लाख किमी. में पश्चिम से पूर्व की ओर 2500किमी. लम्बाई तक स्थित है, इसकी औसत ऊँचाई 6000मी. हैं। भौतिक दृष्टि कोण से इसे दो भागों में विभाजित किया है-

1. ट्रांस हिमालय – यह जम्मू-कश्मीर में स्थित हैं इसमें उत्तर में स्थित काराकोरम हिमालय व दक्षिण में लद्दाख हिमालय सम्मिलित है। इसकी औसत ऊँचाई 6000मी. है व सर्वोच्च चोटी माउन्ट K_2 (गॉडविन ऑस्टीन) है। लद्दाख का पठार 4500मी. की ऊँचाई पर स्थित है जहाँ से सिन्धु नदी भारत में प्रवेश करती हैं।

2. मुख्य हिमालय यह ट्रांस हिमालय के दक्षिण में स्थित है जो उत्तर से दक्षिण तीन मुख्य समानान्तरण श्रेणियों वृहद हिमालय, मध्य हिमालय व शिवालिक हिमालय के रूप में 2400 किमी. लम्बाई तक विस्तृत हैं। वृहद हिमालय की 40 से अधिक चोटियाँ 7000मी. से अधिक ऊँची है, यहाँ वर्ष भर हिमाच्छादन रहता है। मध्य हिमालय पर्यटक स्थलों हेतु प्रसिद्ध है व शिवालिक हिमालय की प्रमुख चोटियाँ डुडवा, चुरिया, मुरिया इत्यादि है। हिमालय के पूर्वी व पश्चिमी मोड़ को अक्ष संधि वलन कहते हैं।

सारथि एकेडमी